onlineBU.com

MS – 125

IV Semester B.A. Examination, May 2016
(Fresher) (CBCS) (2015-16 and Onwards)
LANGUAGE HINDI (Paper – IV)
Khanda Kavya, Lekhak Parichaya and Translation

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या **एक** वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) निमि के कुलगुरू कौन थे ?
2) शौर्य एवं शक्ति का प्रतीक क्या है ?
3) धनुष के टूटने पर किसकी जय जयकार हुई ?
4) भगवान शंकर के धनुष का नाम क्या है ?
5) सीता की पलकों पर कौन आ बैठता है ?
6) हालाहल का पान किसने किया ?
7) कृषि संस्कृति के पोषक कौन थे ?
8) वर्ण व्यवस्था का निर्धारण किसके आधार पर किया जाता था ?
9) निमि ने यज्ञ का प्रहत्विक किसे बनाया ?
10) 'धनुषभंग' खण्ड काव्य के कवि कौन हैं ?

II. निम्नलिखित में से किन्ही दो पद्यांशों की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए : **(2×7=14)**

1) बेटी जानकी ।
कितने युगों से
कर रहे अपलक प्रतीक्षा
हर पलक पर बैठकर
मेरे अभागे पल !
आज तेरे अश्रु का जलदान पाकर
एक पीढ़ी तर गई है ।
पुत्र जिसको कर म पाये,
आज बेटी कर गई है ।

P.T.O.

onlineBU.com

2) धरा की धूल को चन्दन बनाना चाहता था,
मरुस्थल को एक नन्दनवन बनाना चाहता था ।
चाहता था -
नभ के नयन में
आँज दे वह कज्जली रेखा,
जहाँ से चूपड़े दो हर्ष के आँसू-

3) शायद माटी और पसीना,
मिलकर आज कमल बन जाए,
धरती की ममता
मोती के दाने जैसी
शायद आज फसल बन जाए ।

III. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : **(1×16=16)**

1) 'धनुषभंग खण्डकाव्य के आधार पर श्रम की सफलता सिद्ध करते हुए खण्डकाव्य की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

2) 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का सारांश लिखकर विशेषताएँ बताइए ।

IV. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषय पर टिप्पणी लिखिए : **(2×5=10)**

1) निमि का विद्रोह ।

2) पिनाक का उद्‌भव ।

3) गुरु वसिष्ठ का अहंकार ।

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** साहित्यकार का परिचय दीजिए : **(1×10=10)**

1) कवि निराला ।

2) कहानीकार प्रेमचन्द ।

onlineBU.com

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

In the religious history of India Kabir occupies a place of great importance. He believed in the unity of all religions. For him the true teaching of all religions was love. Love brought people together, while religion as practised by ignorant Fanatical people, created conflict and division. He condemned idolatry and most of the Hindu ceremonies and rites. He took the muslims also to task for their intolerance of other faiths.

ಭಾರತದ ಧಾರ್ಮಿಕ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ಕಬೀರದಾಸರು ಒಂದು ಮಹತ್ತರವಾದ ಸ್ಥಾನವನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಅವರು ಎಲ್ಲಾ ಧರ್ಮಗಳ ಏಕತೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸವಿಟ್ಟಿದ್ದರು. ಅವರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರೇಮವೇ ಎಲ್ಲಾ ಧರ್ಮಗಳ ನಿಜವಾದ ತತ್ವವಾಗಿತ್ತು. ಪ್ರೇಮವು ಜನರಲ್ಲಿ ಒಗ್ಗಟ್ಟನ್ನು ತಂದಿತ್ತಾದರೆ, ಅಜ್ಞಾನಿಗಳು ಮತ್ತು ಮತಾಂಧರಿಂದ ಆಚರಿಸಲ್ಪಡುವ ಧರ್ಮವು ಪರಸ್ಪರ ಒಡಕು ಮತ್ತು ವೈಮನಸ್ಸನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿತು. ಕಬೀರರು ಮೂರ್ತಿ ಪೂಜೆಯನ್ನು ಮತ್ತು ಹಿಂದೂಗಳ ಅನೇಕ ಆಚಾರ-ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಖಂಡಿಸಿದರು. ಹಾಗೆಯೇ ಅವರ ಮುಸಲ್ಮಾನರ ಅನ್ಯ ಧರ್ಮೀಯ ಶ್ರದ್ಧೆಯ ಬಗೆಗಿನ ಅಸಹಿಷ್ಣುತೆಯನ್ನು ಸಹ ತರಾಟೆಗೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.